श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

शिक्षा दर्पण

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | नवम्बर - 2023 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1

2

1. **शांतिवन (आबू रोड)।** ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित 'विश्व बंधुत्व दिवस' कार्यक्रम में अयोध्या से आये जगतगुरु रामानंदाचार्य श्रीरामदिनेशाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर महंत गिरीशदास महाराज, महामंडलेश्वर महंत आशुतोष महाराज, श्रीहनुमानगढ़ी के पीठाधीश्वर महंत बलरामदास महाराज, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. मनोरमा, ब्र.कु. सुमन इत्यादि ने शिक्षा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे RISE: नेशनल एजुकेशन कैंपेन का प्रारंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत पूरे भारतवर्ष में अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

2. **ओम शांति रिट्रीट सेंटर (गुरुग्राम)।** शिक्षाविदों के लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए जीडी गोयनका वि.वि. के कुलपति प्रो. सत्यनारायण, नासिक मुक्त वि.वि. के कुलपति प्रो. संजीव सोनवणे, झारखण्ड केन्द्रीय वि.वि. के कुलपति प्रो. जे.पी. लाल, संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, ओ.आर.सी. की डायरेक्टर ब्र.कु. आशा, दिल्ली हरीनगर सेवाकेंद्र की डायरेक्टर ब्र.कु. शुक्ला, ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्र.कु. राज दीदी, संस्था के शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय तथा अन्य।

संरक्षक
राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर
महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं संरक्षक, शिक्षा प्रभाग
परामर्श दाता
राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय
कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन
उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
कार्यकारिणी
राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन
राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि
निदेशक, मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स
ब्र.कु. शिविका
मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. आर.पी. गुप्ता
मुख्यालय संयोजक, मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम
प्रधान सम्पादक
डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, अहमदाबाद, गुजरात
सह सम्पादक
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड
प्रकाशक
एज्यूकेशन विंग (RERF) एवं ब्रह्माकुमारीज़
प्रकाशन
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड
डिजाइनिंग सेटिंग
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड

अमृत सूची

- **सम्पादकीय** - नई शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा का प्रावधान
- बी.एड. कॉलेज अम्बिकापुर में आध्यात्मिक शिक्षा शिविर
- ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया गया 'वृक्ष वंदन' कार्यक्रम
- विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां
- नासिक में RISE के लिए ट्रेनिंग का आयोजन
- शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय अभियान का संतों ने किया प्रारंभ
- ORC में शिक्षाविदों की तीन दिवसीय सेमिनार का हुआ समापन

निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि एज्यूकेशन ऑफिस, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

E-mail: educationwing@bkivv.org
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040

डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, सुख शान्ति भवन (अहमदाबाद)

सम्पादकीय

डॉ. ब्र.कु. ममता शर्मा

आध्यात्मिकता सम्पन्न व्यक्तित्व
दीदी निर्मला जी

प्रत्येक मनुष्य का जीवन मानव जाति के लिए महत्वपूर्ण होता है। जीवन जीना जन्म से लेकर मृत्यु तक का सफर है। इस सफर में कई पड़ाव आते हैं। मानव जीवन के प्रत्येक पड़ाव में कुछ सीखता है और आने वाली भविष्य पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक भी बनता है। यूं तो जीवन जीने की प्रक्रिया में मनुष्य तथा सभी प्राणी सम्मिलित हैं। हम अपने आसपास कई लोगों के संपर्क में आते हैं उनमें से कई तरह के व्यक्तित्व हम भूल जाते हैं और कुछ ऐसे व्यक्तित्व हमारे दिलों-दिमाग में अपनी छाप छोड़ जाते हैं। हम भी अपनी जीवन-यात्रा में ऐसे कई व्यक्तित्व से रुबरु हुए हैं।

हमारे परिजन-स्वजन, हमारे शिक्षक, हमारे मित्र, हमारे गुरुजन आदि इनमें कुछ व्यक्तित्व तो जीवन की दिशा बहलाने वाले मार्गदर्शक होते हैं, जो जीवन को सकारात्मक रूप देकर मार्गदर्शक बनते हैं। वही व्यक्तित्व महान होते हैं। ऐसी ही महान आत्मा जिन्हें मैं आध्यात्मिक व्यक्तित्व कह सकती हूँ, जिन्होंने गत दिनांक 20 अक्टूबर, 2023 को अपनी पुरानी देह का त्याग किया।

दीदी निर्मला जी ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका थीं। आप ज्ञान-विज्ञान की प्रकाश पुंज थीं। 70 से अधिक देशों में आध्यात्म का संदेश पहुंचाने वाली दीदी निर्मला जी एक सरल, सादगीपूर्ण परन्तु दैदीप्यमान व्यक्तित्व की धनी थीं। सर्वप्रथम उनसे मेरी मुलाकात माउंट आबू में हुई। शिक्षा प्रभाग के एक स्टेज कार्यक्रम में वह अध्यक्षीय स्थान पर विराजमान थीं। मैं उस कार्यक्रम का स्टेज संचालन कर रही थी।

उन्होंने मुझे कुछ प्रश्न पूछे और फिर कुछ दिनों बाद समाचार भेजें कि दीदी आपको विदेश सेवा के लिए भेज रही है। मुझे विदेश सेवा के लिए चांस देने वाली चांसलर। मैं विदेश सेवा के लिए प्रस्थान कर रही थी। उनसे विदाई लेने पहुंची। एक-एक छोटी सी छोटी बात को प्रेम से समझाया और दादी जानकी जी के पास लेकर गई। उनसे भी आशीर्वाद दिलाकर मुझे पहली बार आपने विदेश भेजा।

बाबा की सेवाओं का विस्तार कैसे करना है? सब सिखाया और एक साथ तीन देशों की सेवा करके वापस आई, तब दीदी जी से मिलने गई। दीदी निर्मला मिलती थी तो ऐसे लगता था जैसे बापदादा के निकट है। ऐसे आध्यात्मिक व्यक्तित्व मैंने बहुत कम देखें। दीदी निर्मला ऐसी ही निर्मल स्वभाव की, शान्त-रमणीक भी थीं। मुरली में भी बाबा उन्हें याद करते थे। नष्टोमोहा भी थी। परमात्म आज्ञा का पालन करना उनका सर्वप्रथम कर्तव्य रहा। परमात्मा भी जिसे याद करे ऐसी दिव्य, आध्यात्मिकता सम्पन्न व्यक्तित्व सम्पन्न दीदी निर्मला जी को कोटि कोटि वंदन, ओम शांति।

बी.एड. कॉलेज अम्बिकापुर में आध्यात्मिक शिक्षा शिविर

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय बी.एड. कॉलेज अम्बिकापुर में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा 15 दिवसीय आध्यात्मिक शिक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या ने खुश रहने की कला, राजयोग मेडिटेशन, एकाग्रता और जीवन में सफलता प्राप्त करने के सूत्र सिखाएं।

ब्र.कु. ममता ने संकल्पों में दृढ़ता, पावर ऑफ पॉजिटिव एटीट्यूड, मूल्य और आध्यात्मिकता, सदा मुस्कुराइये; ब्र.कु. पार्वती ने सर्वोच्च शक्ति की पहचान, जीवन एक वरदान, प्रभावशाली संबंध एवं ब्र.कु. पूजा ने स्वयं की खोज, आओ लक्ष्य को छूये, क्वालिटी ऑफ लाइफ, नशा मुक्ति इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों और शिक्षकगणों को समझाया जिससे वे अपने जीवन में आने वाली अनेक परिस्थितियों का सामना सकारात्मक सोच एवं अपने मनोबल के द्वारा करके विजय को प्राप्त कर सकें।

आध्यात्मिक शिक्षा शिविर के समापन के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने 15 दिवसीय राजयोग शिविर से हुए लाभ को अपने अनुभव के रूप में सांझा करते हुए कहा कि मैं पहले बहुत गुस्सा करता था, नेगेटिव सोचता था, सही गलत की पहचान नहीं कर पाता था परन्तु इन 15 दिनों में राजयोग मेडिटेशन की विधि को सीखने से हम सभी के जीवन में बहुत परिवर्तन आया। हमारे मनोबल में दृढ़ता आयी। अब हम एकाग्रचित्त होकर हर कार्य करते हैं, सदा पॉजिटिव सोचने का प्रयास भी करते हैं और खुश भी रहते हैं। आगे उन्होंने कहा कि मेडिटेशन करने से मन को असीम शांति और हल्केपन की अनुभूति होती हैं। इसे हम रोज करेंगे।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कहा कि कठिन मुश्किलों में भी खुशी को ढूँढने का प्रयास जारी रखें तो जीवन सहज और सरल हो जायेगा। यही जीवन जीने की श्रेष्ठ कला है। इन 15 दिनों में महसूस हमें हुआ कि मन को एकाग्र राजयोग के द्वारा ही किया जा सकता है क्योंकि यहाँ के बच्चे बहुत चंचल प्रवृत्ति के हैं और कोई भी बात मानते नहीं थे परन्तु उनके जीवन में इस राजयोग से बहुत बदलाव आया है। अंत में सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या के द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को वैल्यू एज्युकेशन कोर्स के प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं करीब 200 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारीज़ घाटकोपर सबज़ोन की ओर से डोम्बिवली सेवाकेंद्र ने एजुकेशन विंग के राष्ट्रीय शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूल के हज़ारों बच्चों को जीवन का उद्देश्य, तंदुरुस्त जीवन-शैली, नशामुक्त जीवन, एकाग्रता जैसे अनेक विषयों पर समझानी दी।

ब्रह्माकुमारीज़ चक्रधरपुर में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। JNU के पूर्व प्राचार्य डॉ. नागेश्वर प्रधान ने कहा कि जीवन में मूल्यों को धारण करना समय और परिस्थिति की मांग है। साथ में है दिलीप महतो, रमेश ठाकुर, चंद्र प्रधान, ब्र.कु. स्वरूप, शिक्षिका यशोदा महतो तथा अन्य शिक्षक और ब्रह्माकुमारी बहनें उपस्थित रहें।

समर कैंप में अतिथि के रूप में नेचुरोपैथी डॉ. उर्मिला रावत, डॉ. सरला पांडे, अंजना, आशा लता सिंह राजपूत और ब्र.कु. श्वेता उपस्थित रहे। ब्र.कु. श्वेता ने कहा कि जो बालक बचपन में ही अच्छे संस्कारों को ग्रहण कर लेता है, वह युवावस्था तथा अपनी वृद्धावस्था को सफल कर लेता है। इसके पश्चात् **मेरा देश मेरी शान** टॉपिक पर निबंध प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें लगभग 140 बच्चों ने भाग लिया। अंत में बच्चों को 'ईश्वर को याद करने के क्या फायदे' विषय पर समझाया गया। साथ ही परमात्मा के साथ का अनुभव कराया गया। अंत में सभी को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया गया 'वृक्ष वंदन' कार्यक्रम

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक माह तक सघन पौधारोपण 'वृक्ष वंदन' कार्यक्रम चलाया गया। इसके अंतर्गत माहभर तक आबू रोड शहर के अलग-अलग सार्वजनिक सरकारी कार्यालयों, प्रमुख सड़कों तथा अनेकानेक स्थानों पर पौधारोपण किया गया। इसकी शुरुआत न्यायालय परिसर के बाहर सत्र न्यायाधीश मोहित शर्मा, न्यायाधीश गिरीशा शर्मा, नायब तहसीलदार मोहनलाल दांगी और संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने की। उदयपुर की सामाजिक 'धरोहर' संस्था के सहयोग से यह कार्यक्रम चलाया गया।

कार्यक्रम में न्यायाधीश मोहित ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बहुत ही अच्छी पहल की है। वर्तमान में हम सभी को मिलकर पर्यावरण को बचाने की जरूरत है। यदि पौधे रहेंगे तो जीवन रहेगा। बिना पेड़-पौधों के कुछ नहीं है। वर्तमान में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर पौधारोपण जरूर करना चाहिए।

नायब तहसीलदार मोहनलाल दांगी ने कहा कि यह बहुत ही खुशी की बात है कि शहर के सार्वजनिक स्थानों पर संस्थान की ओर से पौधारोपण किया गया। नगर के प्रमुख समाजसेवी, प्रबुद्ध नागरिकों को भी ऐसे आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

वृक्षों से ही हरियाली और खुशहाली है

संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवनदाता है। वृक्षों से ही हरियाली और खुशहाली है। हम सभी का दायित्व बनता है कि मां प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रयास करें। ब्रह्माकुमारीज़ का हमेशा यह प्रयास रहा है कि पर्यावरण का संरक्षण कैसे हो? इसके अलावा पौधों के संरक्षण की भी व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. हरीकुमार, पीआरओ ब्र.कु. कोमल, डॉ. ब्र.कु. जमीला, जल विभाग के ब्र.कु. शंभू सहित अन्य मौजूद रहे।

पौधों के संरक्षण के लिए जाली भी लगाई

सबसे खास बात पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान सड़क के दोनों ओर पौधों की सुरक्षा के लिए लोहे की जाली भी लगाई गयी ताकि मवेशियों से उनकी रक्षा हो सके।

वृक्षारोपण का महत्व

प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत ज़रूरी है। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है। पेड़-पौधे हमें छाया प्रदान करते हैं। पेड़ों से हमें भोजन, दवा, आश्रय आदि मिलता है। पेड़ हवा की गुणवत्ता में सुधार करते हैं, पानी का संरक्षण करते हैं, मिट्टी को संरक्षित करते हैं और वन्य जीवन का समर्थन करते हैं। पेड़ हमारे पर्यावरण को सुखद बनाते हैं। वे तापमान बनाए रखते हैं और परिवेश को ठंडा रखते हैं।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित **राष्ट्र के दीप स्तंभ – शिक्षक** सम्मेलन में भीनमाल की ब्र.कु. गीता ने पधारकर उपस्थित शिक्षकों को जीवन में मूल्यों के महत्व को समझाया। साथ में हैं ब्र.कु. तृप्ति तथा अन्य। इस कार्यक्रम में 800 शिक्षाविदों ने लाभ लिया।

ORC में आयोजित शिविर में ब्र.कु. आशा दीदी सहित अन्य ब्रह्माकुमारी बहनों ने 300 से अधिक विद्यार्थियों को भौतिक, आध्यात्मिक एवं मानसिक स्तर के विषयों की जानकारी दी। शिविर में खेलकूद के साथ अनेक बौद्धिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ।

भरूच, गुजरात में आयोजित एजुकेशन विंग की ट्रेनिंग कार्यक्रम में उपस्थित हैं ब्र.कु. प्रभा, डॉ. ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. मुकेश, ब्र.कु. चित्रा, ब्र.कु. हेमा तथा अन्य।

एजुकेशन विंग द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय शिक्षा अभियान** में ब्र.कु. रुक्मणि दीदी, ब्र.कु. शंकर, B.Ed. कॉलेज के प्रिंसिपल शशि उपाध्याय, ललिता देवी, ब्र.कु. जयकुमार, ब्र.कु. भारती, प्रधानाचार्य अशोक जी तथा अन्य स्कूल के आचार्य और स्टॉफ उपस्थित रहें।

RISE कार्यक्रम के तहत टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में 170 से अधिक शिक्षकों को **मूल्यनिष्ठ शिक्षा से समृद्ध समाज का निर्माण** विषय पर ब्र.कु. नरेश ने विस्तार से जानकारी दी। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सुना और अपने विद्यालयों में इसको करवाने में रुचि दिखाई।

विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस में ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग के तत्वावधान में **इम्पोटेंस ऑफ मेडिटेशन फॉर हैप्पी एंड सक्सेसफुल लाइफ** विषय पर फेकल्टी डेवलपमेंट में मुख्य वक्ता ब्र.कु. शीतल ने बताया कि तन के तंदुरुस्त होने के साथ मन का भी स्वस्थ होना जरूरी है। अंत में सभी को मेडिटेशन भी करया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. संजय बियानी, प्राचार्य डॉ. नेहा पाण्डे भी उपस्थित रहें।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

ब्रह्माकुमारीज़, तोदीनगर सेवाकेंद्र पर **पांच दिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर** में अनेक विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे ड्राइंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग, डांस सहित अन्य नैतिक मूल्यों पर आधारित गेम्स व कला में भाग लिया। सभी को सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

वाई.सी.एम. ओपन यूनिवर्सिटी नासिक के वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) संजीव सोनवणे के साथ हैं ब्र.कु. वसंती दीदी, ब्र.कु. विकास, ब्र.कु. सुरेश, ब्र.कु. सावकर, ब्र.कु. लक्ष्मण और ब्र.कु. पंकज भाई।

संदीप यूनिवर्सिटी नासिक के वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) राजेंद्र सिन्हा को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. भारती। साथ में है ब्र.कु. कांतिलाल; ब्र.कु. सावकर; प्रो. मुधे और ब्र.कु. विकास।

Brahma Kumaris, Bengaluru BTM Layout Centre have organised 3 Days Little Angels Summer Camp for the Age Group of 8-14. Nearly 100 Kids participants have taken benefit of Spiritual Awareness and Rajyoga Meditation.

मूल्य शिक्षा में YCM Open University, Nashik से Diploma, Ad. Diploma और B.A. में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का सम्मान करने और मानसिक स्वास्थ्य कोर्स की जानकारी देने हेतु ब्रह्माकुमारीज़, वाडा द्वारा **विद्यार्थी गुण गौरव सोहळा** कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नासिक में RISE के लिए ट्रेनिंग का आयोजन

ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू के शिक्षा प्रभाग और यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में यश इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस द्वारा संकल्पित कोर्स एडवांस डिप्लोमा इन काउंसलिंग एण्ड मेंटल हेल्थ के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा अभियान RISE (Rising India through Spiritual Empowerment) का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के लिए विद्यापीठ के कुलपति प्रो. संजीव सोनवणे ने फोन से अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

डॉ. जयदीप निकम ने कहा कि आज के समाज में सिर्फ किताबी शिक्षा ही काफ़ी नहीं है बल्कि मूल्यपरक शिक्षा की भी जरूरत है। आज के समाज में बुरे कर्मों के साथ-साथ आत्महत्या की दर भी बढ़ गई है। YCMOU के सहयोग से ब्रह्माकुमारीज़ में तैयार हुआ मूल्यों एवं मानसिक स्वास्थ्य पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र समाज में मूल्यों का प्रसार कर सकते हैं, जिससे पूरा समाज मूल्यवान बन सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ ने यह बहुत ही अच्छा कोर्स तैयार किया है और इसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता देखी जा सकती है। हम इस पाठ्यक्रम को लागू करके बहुत खुश हैं।

YCMOU के मानविकी संकाय के निदेशक डॉ. प्रवीण जी ने कहा कि समाज में एक मनोवैज्ञानिक पाठ्यक्रम की आवश्यकता है और ऐसी पृष्ठभूमि में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा तैयार किया गया डिप्लोमा इन काउन्सलिंग एंड मेंटल हेल्थ पाठ्यक्रम बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत तभी विश्वगुरु बन सकता है जब हम आध्यात्म और विज्ञान को साथ में जोड़ेंगे।

मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के निदेशक डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि ने बताया कि कैसे उन्हें अन्य विश्वविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू. कराने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और इसे उन्होंने परमात्मा के स्मरण से कैसे किया।

शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन ने राष्ट्रीय अभियान RISE के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने वाली यात्रा नहीं है बल्कि भारत के हर छोटे-बड़े शहर के व्यक्तियों में मूल्यों की जागरूकता पैदा करने का प्रयास है। साथ ही यह अभियान किसी निश्चित समय सीमा तक सीमित नहीं है बल्कि अपने स्थान और सुविधा के अनुसार एक निश्चित अवधि में दी जाने वाली मूल्य शिक्षा और मूल्य जागरूकता के लिए चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ नासिक सेवाकेंद्र की निदेशिका ब्र.कु. वासंती ने YCMOU एवं ब्रह्माकुमारीज़ के तत्वावधान में चल रही इस पहल की सराहना की और आशीर्वाद दिया।

विक्रोली की डॉ. ब्र.कु. माधवी ने समाज में परामर्श के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बताया कि समाज में विभिन्न समस्याओं के कारण लोगों में तनाव पैदा हो गया है और निकट भविष्य में परामर्शदाताओं की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। अहमदाबाद के ब्र.कु. ममता, मुंबई की डॉ. अमिता, माउंट आबू से पधारे ब्र.कु. राजेश ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. पूनम ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में कुमारी श्रावणी ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों में एक नया जोश भर दिया। ब्र.कु. ओंकार द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुक्त विश्वविद्यालय छात्र सेवा विभाग के निदेशक डॉ. प्रकाश, नासिक सेवाकेंद्र से ब्र.कु. मनीषा, ब्र.कु. शक्ति, ब्र.कु. गोदावरी व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस पूरे ट्रेनिंग कार्यक्रम में महाराष्ट्र के 82 स्टडी सेंटर से 150 सदस्य उपस्थित थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के रामानुजन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एस.पी. अग्रवाल से मूल्य एवं आध्यात्मिक शिक्षा के बारें में ज्ञान चर्चा करने के बाद ग्रुप फोटो में हैं ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. अंकिता और ब्र.कु. राहुल।

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी के डॉ. अनिल खुराना, अध्यक्ष, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग और डॉ. जनधनन नायर, अध्यक्ष नेशनल कमीशन ऑफ होम्योपैथी से ज्ञान चर्चा के बाद ब्र.कु. अंकिता, ब्र.कु. शालू, ब्र.कु. विवेक और साथ में है वैज्ञानिक डॉ. वाराणसी रोजा।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

मध्य प्रदेश दिव्यांग समानता, संरक्षण और सशक्तिकरण अभियान के तहत ब्र.कु. भावना ने एंज़िल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को समझाया कि दिव्यांग हंसी के पात्र नहीं है बल्कि हमारे सहयोग के अधिकारी है। ब्र.कु. नंदिनी ने बच्चों को खेल-खेल में मेडिटेशन सिखाया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल अंजू अवस्थी भी उपस्थित रहीं।

विज़डम हॉल थॉट लेब, NIT में Faculties के लिए **Excellence in Personal & Professional Life** विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वक्तव्य देते हुए प्रो. ब्र.कु. ओंकार चंद शर्मा। साथ में हैं प्रो. दीक्षित गर्ग (Dean) ब्र.कु. शिवाली।

गुजरात कॉमर्स कॉलेज में NSS के विद्यार्थियों को राजयोग का अभ्यास कराने के बाद ग्रुप फोटो में हैं ब्र.कु. अश्विनी, ब्र.कु. ममता तथा NSS के विद्यार्थी।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से ब्र.कु. प्रतिभा ने चांदपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 150 से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा से चरित्र निर्माण, नैतिक शिक्षा, मूल्यांकन, आचरण, आत्म-विश्वास कैसे बढ़ाये तथा परोपकार, त्याग, उदारता, पवित्रता, सहनशीलता, नम्रता, सत्यता, ईमानदारी आदि सद्गुणों के बारे में सिखाया। इस कार्यक्रम में शिक्षकगण तथा ब्र.कु. बहनें भी उपस्थित रहीं।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शिक्षकों के लिए आयोजित हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल्स प्रोग्राम में ब्र.कु. शिवानी ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। साथ में हैं ब्र.कु. ऊषा, स्कूल स्टाफ़ तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित **राजयोगी किड्स समर कार्निवल** में स्कूल ऑफ स्कॉलर्स के प्रिंसिपल सुदीप्ता सरकार एवं साथ में डॉ. वराडे उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम में 150 बच्चों ने भाग लिया और विजेताओं को सौगात और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ अमरोली सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित **फ्यूचर ऑफ़ इण्डिया** समर कैंप में 150 से अधिक बच्चों को ज्ञान-योग सिखाया गया। इसके साथ- साथ बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

हैप्पी विलेज, राजकोट में **हस्ता बचपन** नाम से बच्चों के लिए मूल्यों पर मार्गदर्शन, चिंतन तथा जादू शो और चित्र स्पर्धा का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में 250 बच्चों ने अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया।

सेवाकेंद्र पर शिक्षकों को बैज, फूल व पट्टे से सम्मानित किया गया। साथ ही सभी को यादगार स्वरूप स्लोगन दिए गए। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य सुशीला ब्राह्मणे, उच्च माध्यमिक शिक्षक श्री गोयल, ब्र.कु. साधना, शिक्षा प्रभाग के जोनल कॉर्डिनेटर ब्र.कु. प्रवीण तथा अन्य शिक्षक उपस्थित रहें।

UGC सचिव प्रोफेसर मनीष आर. जोशी से ज्ञान चर्चा करने के बाद ईश्वरीय उपहार भेंट कर मधुबन आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. नेहा। साथ में है ब्र.कु. अंकिता।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

श्रेष्ठ संस्कार के निर्माण में शिक्षा एवं शिक्षक की भूमिका विषय पर बोलते हुए सेठ फूलचंद कॉलेज के डायरेक्टर श्रीमती भावना अग्रवाल, साथ में है ब्र.कु. पुष्पा, TBS स्कूल की प्राचार्य श्रीमती हरप्रीत कौर, शासकीय हरिहर उ.मा.वि. के व्याख्याता श्रीमती फखरा खानम, इंदौर से पधारे ब्र.कु. नारायण, प्राचार्य श्री प्रफुल्ल कुमार दुबे।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित **शिक्षाविदों का सम्मान समारोह** कार्यक्रम में पन्ना जिला शिक्षा अधिकारी श्री सूर्य भूषण मिश्रा, पूर्व प्राचार्य श्रीमती निशा जैन, ककरहटी प्राचार्य श्रीमती शकुंतला बहन, सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. सीता बहन एवं अन्य।

जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को **युवा सशक्तिकरण व नशा मुक्त जीवन** के बारे में बताते हुए ब्र.कु. नारायण ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अच्छे संस्कारों को धारण कर हम समाज में अच्छे नागरिक बनकर समाज व देश की सेवा कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रिंसिपल श्रीमती सविता पाठक, वाइस प्रिंसिपल नवीन कुमावत और ब्र.कु. सेना उपस्थित थे।

राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग अध्यक्ष डॉ. अनिल खुराना को परमात्म परिचय देकर मधुबन आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. अंकिता। साथ में हैं नेशनल कमीशन ऑफ होम्योपैथी अध्यक्ष डॉ. जनधनन नायर, ब्र.कु. शालू, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी वैज्ञानिक डॉ. वाराणसी रोजा तथा अन्य।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी जे.एन.यू. के रेक्टर-1 प्रोफेसर सतीश चन्द्र गाराकोटी से ज्ञान चर्चा के बाद मधुबन आने का निमंत्रण देने के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. रेनू और ब्र.कु. रवि।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरी ज्ञान मंदिर समिति, सेंधवा द्वारा शिक्षा प्रभाग के ज़ोनल कोर्डिनेटर ब्र.कु. प्रवीण को अभिनन्दन पत्र, शाल, श्रीफल से सम्मानित करते हुए समिति के अध्यक्ष तथा अन्य।

नांदेड जिला कारागृह में **मूल्य शिक्षा से संस्कार परिवर्तन** विषय पर व्याख्यान देते हुए ब्र.कु. भगवान। साथ में ब्र.कु. अर्चना, कारागृह अधीक्षक सुभाष सोनावने तथा अन्य।

बीड बायपास रोड सेवाकेंद्र द्वारा **बाल व्यक्तित्व विकास शिविर** का आयोजन किया गया। शिविर के समापन सत्र में प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. उत्तम कालवने (Professor and Head of Department of Civil Engineering, Maharashtra Institute of Technology)। इस शिविर में बच्चों को ब्र.कु. स्नेहल ने मूल्य शिक्षा के बारे में समझाया।

अमृत भवन सेवाकेंद्र में बच्चों के लिए समर केम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में मंचासीन हैं डॉ. जयकृष्णा, विजय, ब्र.कु. गुलाब, ब्र.कु. सरोजिनी, ब्र.कु. स्वप्ना, ब्र.कु. स्मिता, ब्र.कु. ओम तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की याद में शिक्षक दिवस मनाते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. जगदीश शर्मा, मंजेशलता, डॉ. ज्वाला सिंह, जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह, प्रो. डॉ. आर. एन. शर्मा, शिक्षक संघ अध्यक्ष सतीश चंद्र रावत आदि एकत्रित हुए। सभी का ब्र.कु. भावना ने ईश्वरीय उपहार देकर सम्मान किया।

शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय अभियान का संतों ने किया प्रारंभ

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर के डायमंड हॉल में "विश्व बंधुत्व दिवस" पर आयोजित कार्यक्रम में अयोध्या से आए संत, महामंडलेश्वर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे **'RISE Campaign'** के तहत **National Education Campaign** का प्रारंभ किया। इस अभियान के तहत अलग-अलग राज्यों में मूल्यनिष्ठ शिक्षा को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

समारोह में अयोध्या से आए अंतर्राष्ट्रीय श्रीराम कथा एवं श्रीमद भगवत कथा प्रवक्ता जगतगुरु रामानंदाचार्य श्रीरामदिनेशाचार्य महाराज ने कहा कि त्याग, पवित्रता और समर्पण की त्रिवेणी ब्रह्माकुमारीज़ में बह रही है। आज यहां इतने पुष्प दिखाई दे रहे हैं जो आध्यात्म के उस शिखर पर जाकर बिखर चुके हैं, जिनकी सुंगध भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व में प्रसारित हो रही है। जब इतने संसाधन और व्यवस्थाएं नहीं थीं तब दादी जी ने स्वयं को स्वर्ण की भांति तपाया। स्वर्ण की आभा तो सबको दिखती है लेकिन इसके लिए वह कितना तपा है, कितना जला है, वह कोई नहीं जानता है।

जगतगुरु रामानंदाचार्य महाराज ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक ने मुरारी बापू के मंच पर जाकर कहा कि मैं एक हिंदू हूं। हिंदू का अर्थ एक जाति, एक संप्रदाय नहीं है। हिंदू का अर्थ है आदर्श जीवन जीने वाला इस धरती का प्रत्येक व्यक्ति। यदि आप त्याग, तपस्या, समर्पण की बात करते हैं तो यह किसी एक जाति, मजहब का नहीं होता है इसलिए हम कहते हैं वसुधैव कुटुम्बकम्। आज यूनाइटेड नेशन बात करता है कि संपूर्ण विश्व को एक किया जाए परन्तु हमारे संतों, मुनियों ने इस बात को हजारों वर्ष पहले ही कह दिया था।

उन्होंने आगे कहा विश्व का कल्याण हो, सर्वे संतु निरामया। हम केवल भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व के मंगल की बात करते हैं। हिंदू जीवन शैली की त्याग, समर्पण, बंधुत्व और एकता को संपूर्ण विश्व देखना चाहते हैं। यही विचारधारा हमें विश्वगुरु बनाने का कार्य करती है। ब्रह्माकुमारीज़ में जिसके भी चेहरे देखों निर्लेप, निष्पक्ष फूल की तरह खिले हुए हैं। क्योंकि यहां किसी से कोई जाति-धर्म नहीं पूछा जाता। ब्रह्माकुमारीज़ का कोई जाति, धर्म, पंथ नहीं है। यह तो खुशबू बिखेरता है। यहां आध्यात्म का जूस पिलाया जाता है।

दादी जी का जीवन चरित्र नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा था

अयोध्या से आए निर्मोही घाट के महामंडलेश्वर महंत आशुतोष महाराज ने कहा कि इस संसार में भ्रांति को मिटाने के लिए ओम शांति में क्रांति की आवश्यकता है। दादीजी का जीवन चरित्र नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा था। आप संसार में सब त्याग कर देंगे, साधु-संत बन जाएंगे लेकिन मोह का त्याग करना सबसे कठिन होता है। दादी जी के जीवन में लेशमात्र मोह नहीं था। आज भारत विश्वगुरु बनने के करीब में है। आज अराजक तत्व धर्म, वेश-भूषा, टीका के आधार पर बंटवारा कर रहे हैं लेकिन ऐसे तत्वों को पछाड़ने का कार्य दादी जी ने किया है। 1893 में शिकागो की यात्रा में स्वामी विवेकानंद ने सिर्फ इतना ही कहा कि भाइयों और बहनों। इतने में ही तालियों की गड़गड़ाहट नहीं रुकी। जो समर्पण नारद जी के जीवन में था, वह समर्पण आज ब्रह्माकुमारीज़ में है।

यहां कोई दिव्य शक्ति विराजमान है

अयोध्या के निर्मोही अखाड़ा के महामंडलेश्वर महंत गिरीश दास महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में आकर ऐसा महसूस हुआ कि यहां कोई दिव्य शक्ति विराजमान है। कोई शक्ति खींच रही है। यहां भाई-बहनों के व्यवहार, आचार-विचार को जानकर ऐसी अनुभूति हुई जो रामराज्य के लिए अनुभूति होती है। ब्रह्माकुमारीज़ पूरे विश्व को जोड़ने का कार्य कर रही है। श्रीराम ने भी जोड़ने का कार्य किया था। पीड़ित, शोषित, वंचित लोगों को उन्होंने एक किया था। ऐसे ही संस्था द्वारा समाज सुधार, मूल्य शिक्षा, नशामुक्ति आदि के जो प्रकल्प चलाए जा रहे हैं, उनका मकसद भी लोगों को जोड़ना है। यहां से समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों को सही दिशा दिखाने का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार की व्यवस्था चलती रही तो वह दिन दूर नहीं, जब पूरे विश्व में रामराज्य स्थापित होगा।

संस्कारों की जगाई जा रही अलख

अयोध्या के श्रीहनुमानगढ़ी के पीठाधीश्वर महंत बलरामदास महाराज ने कहा कि प्रकाशमणि दादी जी की प्रखरता, विद्वता है कि आज यह संगठन देश-विदेश में फैला है। जब हम अकेले में होते हैं तब हमसे अपराध होता है लेकिन जब हम समूह में होते हैं तो नैतिक दबाव के कारण कोई अपराध नहीं होता है। अयोध्या में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संस्कारों की अलख जगाई जा रही है। संस्था रामराज्य लाने की परिकल्पना कर रही है। यहां सब हर्षित दिखाई देते हैं। यहां से रामराज्य का बीज बोया जा चुका है। एक दिन भारत अवश्य ही विश्वगुरु बनेगा।

संस्था के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि दादी जी के कर्तव्यों और शिक्षाओं की याद दिलाई। मंच संचालन प्रयागराज से पधारीं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. मनोरमा दीदी ने किया।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

ब्रह्माकुमारीज़, BTM लेआउट सेंटर, बेंगलुरु के ब्र.कु. कल्याणी द्वारा सेंट एंथोनी स्कूल में **जीवन कौशल** विषय पर प्रवचन और राजयोग मेडिटेशन सत्र का आयोजित किया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापिका, अन्य शिक्षक और 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

MIT यूनिवर्सिटी के संस्थापक प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड को ईश्वरीय सन्देश देने के बाद एजुकेशन विंग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन, मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. दत्ता तथा अन्य।

गरियाबंद जिले के टेका में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को **मूल्य शिक्षा और चरित्र का निर्माण** विषय पर संबोधित करने के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं ब्र.कु. नारायण, प्रिंसिपल श्री नारायण चंद्राकर, अन्य शिक्षक तथा विद्यार्थीगण।

जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहम्मद अफसर आलम को ईश्वरीय सौगात देती हुई ब्र.कु. नेहा। साथ में है रजिस्ट्रार प्रो. एम.ए. सिकंदर, ब्र.कु. रेनू तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित **RISE: National Education Campaign** के अंतर्गत अमरावती के मालू इंटरनेशनल स्कूल में अध्यापकों को **'राजयोग के लाभ'** विषय पर व्याख्यान देने के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं ब्र.कु. प्रमोद, अमरावती तथा अध्यापकगण।

ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित **RISE: National Education Campaign** का क्षेत्रीय शुभारम्भ अनुभूतिधाम झाड़ेश्वर, भरूच में आयोजित हुआ, जिसमें किंजल बहन, शिक्षण अधिकारी, नगर पालिका प्राथमिक स्कूल; लाइन्स स्कूल के चेयरमेन दीपक भाई; विशाल भाई; डॉ. विनय पंड्या; वल्लभ विद्यानगर, भरूच सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. प्रभा दीदी; ब्र.कु. अमिता तथा अन्य उपस्थित थे।

ORC में शिक्षाविदों का तीन दिवसीय सेमिनार का हुआ समापन

शिक्षक के सशक्त होने से ही समाज सशक्त हो सकता है। सशक्तिकरण का मूल केंद्र आध्यात्मिकता है। उक्त विचार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सलाहकार, परामर्शदाता एवं श्री पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्रीहरि होनवाड़ ने ओम शांति रिट्रीट सेंटर में शिक्षाविदों के लिए आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में व्यक्त किए, जिसका विषय था 'एजुकेटर्स क्रिएटिंग लीडर्स फॉर फ्यूचर।'

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय आध्यात्मिक सशक्तिकरण की अत्यधिक आवश्यकता है। यदि हम कल के लिए एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना चाहते हैं तो हमें शिक्षा में मूल बदलाव करने होंगे।

नॉर्थ कैप विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर श्री प्रेम व्रत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के सहयोग से उन्होंने विश्वविद्यालय में एक 'राजयोगा थॉट लेबोरटरी' स्थापित की है जिसके बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक शिक्षक ही नेतृत्व की असली शक्ति प्रदान कर सकता है। शिक्षक का कार्य सिर्फ सूचना देना नहीं बल्कि अपने आदर्श व्यक्तित्व से भी प्रेरित करना है।

खुशाल दास वि.वि. हनुमानगढ़ के कार्यकारी निदेशक डॉ. शशी मोरोलिया ने कहा कि शिक्षा में नैतिक मूल्य जरूरी हैं। आचार्य चाणक्य और रामकृष्ण परमहंस इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। हमारी सबसे बड़ी लड़ाई खुद से है। हम जो भी कार्य करें उसमें ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता हो। अच्छी पुस्तकें हमारी मित्र हैं। इसलिए निरंतर अध्ययन जरूरी है।

ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि भारत ही आध्यात्मिकता का जन्मदाता है। उन्होंने कहा कि कुदरत ने किसी भी चीज का मूल्य निर्धारित नहीं किया। लेकिन आज हम पानी को भी बोतल में भरकर बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानव चेतना को भूल भौतिक रूप को ही महत्व देता है जिस कारण ही आज विकृति आई है। हमारा वास्तविक स्वरूप चेतना अर्थात् आत्मा है। शरीर उसके द्वारा कार्य करने के लिए मिला हुआ एक माध्यम है। स्वयं को देह समझने से ही आत्मा अपने मूल गुणों का अनुभव नहीं कर सकती। इसलिए आवश्यकता है आत्मिक दृष्टिकोण अपनाने की। अपने मौलिक गुणों और स्वभाव का अनुभव करना ही आध्यात्मिकता है।

जीडी गोयनका वि.वि. की डीन डॉ. अनुराधा ने कहा कि यहां आने से ही लगा कि वो एक नई दुनिया में आ गई। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या यही है कि हम भगवान से संबंध नहीं जोड़ पाते। लेकिन यहां के वातावरण में उन्हें वो आनंद मिला कि जैसे वो ईश्वर से जुड़ गई हों।

एमिटी विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. संजय झा ने कहा कि फ्यूचर लीडर के साथ-साथ फ्यूचर ह्यूमन की चर्चा अधिक जरूरी है। आज हम सब मानव तो हैं लेकिन मानवीय गुणों का अभाव है। इसलिए आवश्यकता है मानवीय गुणों से युक्त मानव निर्माण करने की। मानव मूल्यों की शिक्षा ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान दे रहा है।

महाराष्ट्र के शिक्षा प्रभाग की संयोजिका ब्र.कु. वसंती ने कहा कि धर्म का वास्तविक अर्थ धारणा है। आध्यात्मिकता हमारी उन्हीं धारणाओं को जागृत करके श्रेष्ठता को बनाए रखने की शक्ति प्रदान करती है। आत्मा के मूल में निहित गुणों की विस्मृति ही धर्म की ग्लानि है। शिक्षक उन धारणाओं को स्वयं के जीवन में आत्मसात करके ही छात्रों को प्रेरित कर सकते हैं।

एमएसएमई के निदेशक रवि नंदन सिन्हा ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के साथ का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता समाज को सशक्त करती है। विश्व योग दिवस के साथ-साथ विश्व आध्यात्मिक दिवस मनाने की भी जरूरत है। कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन के माध्यम से शिक्षा में गुणवत्ता का समावेश एवं एथिकल डिलेमा जैसे विषयों पर चर्चा हुई। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अनेक अनुभवी वक्ताओं के द्वारा राजयोग की गहरी जानकारी दी गई।

मुंबई से आए मोटिवेशनल स्पीकर प्रो. ईवी गिरीश ने भी अपने विचार रखे। एथिकल डिलेमा विषय पर हुए पैनल डिस्कशन में मुख्य रूप से रेवाड़ी, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जयप्रकाश, एआईसीटीई के उप निदेशक डॉ. निखिल कांत, नॉर्थ कैप विश्वविद्यालय की कुलपति नुपुर प्रकाश एवं दिल्ली, ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के करोल बाग सेवाकेंद्र की निदेशिका ब्र.कु. पुष्पा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में एक बहुत ही सुंदर राजयोग विचार प्रयोगशाला भी आयोजित की गई जिसमें मनोरंजन एवं खेल के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान को स्पष्ट किया गया। आध्यात्मिक अनुभव के लिए बने स्टाल्स में आकर लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्टाल्स में मन की एकाग्रता, धैर्यता, प्रेम, शांति और परमधाम की अनुभूति के आधार पर गेम्स बनाए गए। कार्यक्रम का प्रारंभ ब्र.कु. पूजा के सुंदर नृत्य से हुआ। ब्र.कु. फाल्गुनी के संबोधन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. कोकिला एवं ब्र.कु. चित्रा ने किया।

1

2

1. **शांतिवन (आबू रोड)।** ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शिक्षा प्रभाग द्वारा मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ पीएचडी इन यौगिक साइंस, अंडर ग्रेजुएट कोर्सेस, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्सेस, पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेस तथा अन्य सर्टिफिकेट कोर्सेस का प्रारम्भ हुआ है।
2. **वैशाली नगर (जयपुर)।** RISE: नेशनल एजुकेशन कैंपेन का क्षेत्रीय शुभारंभ जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठोर, राजस्थान यूनिवर्सिटी की नवनियुक्त वाइस चांसलर डॉ. अल्पना काटेज, आरयूएचएस वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी, संयुक्त निदेशक शिक्षा संकुल योगेश चंद शर्मा, लन्दन से पधारी ब्र.कु. सिस्टर गोपी, ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर सबज़ोन की प्रभारी ब्र.कु. सुषमा दीदी ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया।

Education Wing HQs. Office:
Dr. B.K. Mruthyunjaya
Chairman, Education Wing, RERF
Brahma Kumaris, Education Wing Office
3rd Floor, Anand Bhawan, Shantivan
Abu Road - 307 510 (Raj.)
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040
E-mail: educationwing@bkivv.org
Website: www.educationwing.com

To,